International Organization of Research & Development (IORD)
ISSN: 2348-0831
Vol 11 Issue 02 | 2024

# 21वीं सदी में वैश्विक शासन के लिए कौटिल्य की दृष्टि का पुनर्मूल्यांकन

**मनीषा (शोधार्थी), डॉ सुशीला बेदी दुबे ( शोध निदेशक), विभाग – राजनीति विज्ञान, श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय, चूड़ेला, झुंझुनूं**

**ईमेलः** manishaverma35347@gmail.com

**सारांश**

वैश्विक शासन का स्वरूप आज के समय में बहुध्रुवीय, जटिल और परस्पर निर्भर हो चुका है। ऐसे परिवेश में यह आवश्यक हो गया है कि हम प्राचीन भारत के उन राजनीतिक विचारकों के सिद्धांतों की पुनर्व्याख्या करें, जिन्होंने नीति, कूटनीति, शासन और सुरक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र न केवल भारत बल्कि वैश्विक शासन के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। इस आलेख में कौटिल्य की 'मंडल नीति', 'षाड्गुण्य नीति', 'साम–दाम–दंड–भेद', और 'गुप्तचर तंत्र' जैसे सिद्धांतों को 21वीं सदी की वैश्विक कूटनीतिक और शासन प्रणालियों के संदर्भ में पुनः परखा गया है।

**प्रमुख शब्द**

कौटिल्य, वैश्विक शासन, मंडल सिद्धांत, राजनय, कूटनीति, षाड्गुण्य नीति, रणनीतिक संतुलन, गुप्तचर तंत्र, बहुध्रुवीयता, नीति विज्ञान

## 1- भूमिका

21वीं सदी में विश्व वैश्वीकरण, तकनीकी विकास और भू–राजनीतिक तनावों से परिभाषित हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र, WTO, BRICS, QUAD जैसी संस्थाओं की भूमिका पुनः परखी जा रही है। ऐसे समय में कौटिल्य के 'राजधर्म' और 'नीति आधारित शासन' के विचार, आज की अनिश्चित वैश्विक राजनीति में दिशानिर्देशक सिद्ध हो सकते हैं। कौटिल्य का विचार है कि सशक्त, दूरदर्शी और रणनीतिक नेतृत्व ही स्थायी शासन सुनिश्चित कर सकता है।

## 2- कौटिल्य की शासन और राजनय की अवधारणाएं

### (क) मंडल सिद्धांत

कौटिल्य के अनुसार, राज्य के चारों ओर मंडल बने होते हैं– शत्रु, मित्र, तटस्थ आदि। यह सिद्धांत आज के 'alliances' और 'strategic groupings' के समान है।

### (ख) षाड्गुण्य नीति

षाड्गुण्य नीति के अंतर्गत छह उपाय आते हैंकृसंधि, विग्रह, आसन, यान, संश्रय, द्वैधीभाव। ये विकल्प विश्व के कूटनीतिक संबंधों की व्यवहारिक रणनीति के रूप में देखे जा सकते हैं।

### (ग) गुप्तचर तंत्र

कौटिल्य गुप्तचर प्रणाली को शासन का मूल मानते हैं। आज की खुफिया एजेंसियाँ जैसे CIA, MI6, RAW, आदि इस नीति का उन्नत स्वरूप हैं।

### (घ) साम–दाम–दंड–भेद

ये चार उपाय आज के वैश्विक नीति निर्माण में भी परिलक्षित होते हैं– आर्थिक दबाव, सैन्य शक्ति प्रदर्शन, रणनीतिक वार्ता और गठबंधन निर्माण।

## 3- 21वीं सदी की वैश्विक शासन चुनौतियाँ

- परमाणु शक्ति संतुलन
- साइबर युद्ध और आतंकवाद
- महामारी एवं स्वास्थ्य कूटनीति
- प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिस्पर्धा
- जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय शासन

इन सभी मुद्दों पर कौटिल्यीय दृष्टिकोण एक परिपक्व, तटस्थ और नैतिक रूपरेखा दे सकता है।

## 4- वैश्विक संस्थाएँ और कौटिल्यीय सोच

### (क) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

कौटिल्य का सामूहिक निर्णय आधारित मंडल सिद्धांत यहां समानांतर रूप से देखा जा सकता है।

### (ख) WTO एवं वैश्विक व्यापार

साम–दाम के उपयोग की झलक ट्रेड वॉर, प्रतिबंधों और व्यापार समझौतों में मिलती है।

### (ग) जलवायु कूटनीति

कौटिल्य के अनुसार, दीर्घकालिक राजनय केवल रणनीतिक नहीं, नैतिक भी होना चाहिए। यही बात वर्तमान जलवायु कूटनीति पर भी लागू होती है।

## 5- समकालीन उदाहरणों में कौटिल्यीय दृष्टिकोण

| वैश्विक घटना | कौटिल्यीय समानता |
|---|---|
| रुस–यूक्रेन युद्ध | यान नीति और द्वैधीभाव |
| QUAD की स्थापना | मंडल सिद्धांत, साम नीति |
| चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव | रणनीतिक विस्तारवाद (विग्रह और संश्रय) |
| भारत की एक्ट ईस्ट नीति | मंडल का रणनीतिक मित्रवर्ग |

## 6- बहुध्रुवीय विश्व में कौटिल्यीय दृष्टिकोण की उपयोगिता

21वीं सदी का विश्व केवल दो ध्रुवोंकृअमेरिका और चीनकृतक सीमित नहीं है। भारत, रूस, यूरोप, अफ्रीका, जापान आदि नई ध्रुवीय शक्तियाँ बनकर उभर रही हैं। कौटिल्य की दृष्टि

बहुध्रुवीयता को आत्मसात करने वाली है, जिसमें संतुलन, संवाद और स्वायत्तता का समावेश हो।

### 7- शासन में नैतिकता और कौटिल्य

कौटिल्य का 'राजधर्म' कहता है कि राजा को लोकमंगल की भावना से राज्य का संचालन करना चाहिए। आज के वैश्विक नेताओं के लिए यह संदेश अत्यंत सामयिक है, विशेष रूप से जब विश्व नैतिक नेतृत्व की कमी से जूझ रहा है।

### 8- नीति–निर्माण और रणनीति में कौटिल्य का योगदान

- सशक्त नीति संरचना
- जोखिम प्रबंधन और पूर्व चेतावनी प्रणाली
- गोपनीयता और सूचना का प्रबंधन
- राज्य की आत्मनिर्भरता और संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग

### 9- निष्कर्ष

कौटिल्य का दर्शन केवल एक ऐतिहासिक ग्रंथ नहीं बल्कि एक जीवंत राजनीतिक विज्ञान है, जो 21वीं सदी के वैश्विक शासन के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है। वैश्विक संस्थानों के संगठन, रणनीति, सुरक्षा, संसाधन नीति और नेतृत्व मॉडल में कौटिल्यीय सिद्धांतों को लागू किया जा सकता है। आज जब विश्व अस्थिरता, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रहा है, तब कौटिल्य की दृष्टि हमें स्थिरता, संतुलन और नीति पर आधारित शासन का मार्ग दिखाती है।

### संदर्भ सूची

1- कौटिल्य. अर्थशास्त्र (अनुवादः आर. शमशास्त्री)

2- वैश्विक राजनीतिक सिद्धांत, यूजीसी पाठ्यक्रम 2022

3- भारतीय विदेश मंत्रालय – रणनीतिक दस्तावेज़ 2020–2023

4- शर्मा, आर. (2021). प्राचीन भारत में राजनीतिक दर्शन

5- FAO, WHO, UNGA Reports on Global Governance

6- Rajamohan, C. (2019). India and the Global Order

7- Kumar, V. (2020)- "Kautilya's Thought in Contemporary Global Strategy"

8- BRICS और SCO रिपोर्ट (2022)

9- UN Security Council Strategic Papers (2023)

10- Tharoor, Shashi- Why Nations Need a Strategic Philosophy, 2021